भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3371

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हिमाचल प्रदेश में पर्यटक केंद्र

3371. डॉ. राजीव भारद्वाज:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार हिमाचल प्रदेश में पर्यटक केंद्र बनाने की कोई योजना पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का हिमाचल प्रदेश राज्य में पर्यटन संबंधी कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए धनराशि जारी करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): देश में पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्ताव के प्राप्त होने, संबंधित योजनाओं के तहत निधियों की उपलब्धता आदि के आधार पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को सम्पूरित करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश राज्य में 1 परियोजना को मंजूरी प्रदान की, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	हिमालयन परिपथ 2016-17	हिमालय परिपथ: कियारीघाट, शिमला, हटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा का विकास	68.34

मंत्रालय ने अब देश में स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के तौर पर नया रूप दिया है और एसडी2.0 के तहत हिमाचल प्रदेश राज्य में विकास के लिए एक गंतव्य के रूप में 'पोंग बांध' को चिह्नित किया है। इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) के तहत विकास के लिए 'संस्कृति और विरासत श्रेणी में काजा' और 'वाइब्रेंट विलेज श्रेणी में 'रक्छम, छितकुल' का चयन किया है।

*****